

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड  
परीक्षा – जुलाई, 2016–2017  
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'  
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/1/1  
29/1/2  
29/1/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
1.	1.	2.	1.	<p style="text-align: center;"><u>खंड 'क'</u></p> <p>अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● अर्थशास्त्र</li> <li>● अर्थशास्त्र क्या है?</li> </ul> <p>(अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें।)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● कौटिल्य के अनुसार अर्थ – राजनीति, नीति, पुरुषार्थ एवं मानव-मूल्य</li> <li>● सबके हित को ध्यान में रखकर संग्रह तथा वितरण के कारण</li> <li>● धन – सम्पत्ति, पदार्थ और समस्त चर्चा एवं ज्ञान का स्थूल विषय</li> <li>● लेन-देन में सामाजिक स्वीकृति और परस्पर विश्वास</li> </ul>	15 1 2 2 2 2



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
2.	च	च	च	आवश्यकता का औचित्य समझना और लेने वाले से वापसी का आश्वासन	2
	छ	छ	छ	आवश्यकतानुसार लिए गए धन के खर्च की उपयोगिता एवं क्षमता समझना	2
	ज	ज	ज	<ul style="list-style-type: none"> <li>उद्योगपतियों एवं प्रबुद्ध वर्गों द्वारा शान से कर्ज लेकर डकार जाना</li> <li>उनकी इस प्रवृत्ति से बैंकों की व्यापार वृद्धि</li> </ul>	2
	2.	1.	2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर—	1x5=5
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> <li>यमुना में बहुत तेज बाढ़ आने की कल्पना</li> <li>सहज रूप से बाढ़ के पानी का उतर जाना</li> </ul>	1
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>न ये सपने अपने लगते हैं न पराए</li> </ul>	1
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>जीवन के सभी व्यापार अनसुलझे ही रहेंगे अतः स्वेच्छा से जीवन के कोरे कागज पर लिख लें।</li> </ul>	1
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>अलंकार – यमक, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार, मानवीकरण</li> <li>मुहावरे का भाव – मुश्किलों से</li> </ul>	1



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				साकार होने वाली कल्पनाएँ	
	ड	ड	ड	<ul style="list-style-type: none"> <li>विशेष कर्म की ओर अग्रसर होना और उसे घटित होने देना</li> </ul>	
				<u>खंड – 'ख'</u>	
3.	3.	3.	3.	किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित : <ul style="list-style-type: none"> <li>भूमिका/उपसंहार 1+1</li> <li>विषय-वस्तु 6</li> <li>भाषा शैली 2</li> </ul>	10
4.	4.	4.	4.	पत्र-लेखन : <ul style="list-style-type: none"> <li>आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1</li> <li>विषय-वस्तु 3</li> <li>भाषा 1</li> </ul>	5
5.	5.	6.	5.	प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर- <p>किसी विषय विशेष जैसे राजनीतिक स्वास्थ्य, व्यापार, खेल आदि पर लेखन</p> <p>शंका – संदेह करने पर ही वह घटना के कारणों की गहराई से जाँच-पड़ताल कर सकेगा</p>	1X5=5
	क	क	क		1
	ख	ख	ख		1
	ग	ग	ग	सम्पादक और उसकी टीम	1



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	घ	घ	घ	ए.बी.पी., न्यूज़ 18, (नेशनल ज्योग्रेफिक चैनल, डिस्कवरी चैनल आदि-आदि)  (किन्हीं दो के नाम अपेक्षित)	1
	ड	ड	ड	स्थायित्व, संग्रहणीयता, स्पष्टता, समय-असमय कहीं से भी पढ़ने की सुविधा	1
6.	6.	5.	6.	आलेख अथवा फीचर-लेखन : <ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रस्तुति 2</li> <li>● विषय वस्तु 2</li> <li>● भाषा 1</li> </ul>	5
7.	7.	—	—	<u>खंड - 'ग'</u> काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या—  संदर्भ (कवि और कविता का नाम) 1 प्रसंग 1 व्याख्या बिंदु 5 विशेष 1  यह समिधा ..... दे दो।  कवि - सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता - यह दीप अकेला प्रसंग - कवि ने दीप के प्रतीक व्यक्ति की सत्ता को सामाजिक सत्ता के	8



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
—	7.	—	—	<p>साथ जोड़ने का प्रयास।</p> <p>व्याख्या बिंदु –</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● व्यक्ति की सत्ता – यज्ञ की हवन सामग्री</li> <li>● हठीले निराले व्यक्ति द्वारा ही अग्नि को प्रज्वलित करना</li> <li>● स्वयं को अनुपम एवं अनोखा स्वीकारना</li> <li>● समाजिक सत्ता में स्वयं को विलीन कर 'स्व' का त्याग</li> <li>● गर्व और स्नेह से भरा दीप अकेला, इसे भी पंक्ति (सामाजिक सत्ता) में विलीन कर दो</li> </ul> <p>विशेष –</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● लक्षणा शब्द शक्ति का प्रयोग</li> <li>● प्रतीकात्मक शैली</li> <li>● रूपक अलंकार</li> <li>● भाषा सहज, सरल एवं प्रवाहमयी</li> </ul> <p>एक बूँद.....दाग से।</p> <p>कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'</p> <p>कविता – मैंने देखा एक बूँद</p>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
—	—	—	7.	<p>प्रसंग –</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● मानव जीवन के प्रत्येक क्षण का महत्व</li> <li>● कवि को आत्मबोध – क्षणभंगुरता का आभास</li> <li>● बूँद व्यक्ति का प्रतीक और सागर समाज का</li> </ul> <p>व्याख्या बिंदु—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● बूँद का चमककर समुद्र में विलीन हो जाना</li> <li>● विराट सत्ता का निराकार होना और मानव जीवन का विराट सत्ता में मिलन</li> <li>● मिलन के आलोक से दीप्त क्षण मानव को नश्वरता के दाग से मुक्त कर देना</li> </ul> <p>विशेष—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रयोगवादी शैली</li> <li>● प्रतीकात्मक प्रयोग</li> <li>● व्यक्तिवाद की प्रतिष्ठा</li> <li>● लाक्षणिकता</li> <li>● क्षणभंगुरता की प्रतिष्ठा</li> </ul> <p>यह मधु.....शक्ति को दे दो।</p>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<p>कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता – यह दीप अकेला</p> <p>प्रसंग –</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● व्यक्ति एक दीपक के समान अकेला, स्नेह, गर्व और अहम् भाव से पूर्ण</li> <li>● उसकी सार्थकता समाज में सम्मिलित होने से</li> </ul> <p>व्याख्या बिंदु–</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● काल के टोकरे में युग-युग एकत्रित हुआ मधु</li> <li>● जीवन रूपी कामधेनु का अमृतमय दूध</li> <li>● धरती का हृदय चीरकर निर्भयता से सूर्य की ओर देखने वाला अंकुर</li> <li>● प्रकृति के अनुरूप स्वयं पैदा हुआ ब्रह्म और सबसे अलग रूप वाले इस दीप रूपी व्यक्ति को समष्टि में मिलाकर सर्वशक्तिमान बना दो</li> </ul> <p>विशेष –</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● लक्षणा शब्द शक्ति का प्रयोग</li> <li>● उपमा एवं रूपक अलंकार</li> <li>● तत्सम एवं प्रतीकात्मक शैली</li> <li>● व्यक्ति को समाज से जोड़ने का भाव</li> </ul>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
8.	8. क	9. क	8. क	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित –  भारत की विशेषताएँ– <ul style="list-style-type: none"> <li>● प्राकृतिक सौन्दर्य अद्भुत एवं मधुमय</li> <li>● यहाँ सूर्य की पहली किरणों का पड़ना</li> <li>● अनजान व्यक्तियों को भी आश्रय मिलना</li> <li>● लोगों के हृदय दया, करुणा एवं सहानुभूति की भावना से ओतप्रोत</li> <li>● महान एवं गौरवशाली संस्कृति</li> </ul>	3+3=6
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● वियोग की पीड़ा झेलने को विवश एवं एकाकी जीवन बिताने में असमर्थ</li> <li>● नायिका का शरीर क्षीण हो जाना</li> <li>● नेत्रों से अविरल अश्रुधारा बहना</li> <li>● कोयल की कूक तथा भौरों की झंकार सुनते ही तुरंत कान बन्द कर लेना</li> <li>● प्रेम के स्वरूप का प्रतिक्षण बदलना अतः नायिका द्वारा प्रेम के अनुभव को बताने में असमर्थता</li> </ul>	3
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● व्यस्तता और मशीनी जीवन के कारण मनुष्य का प्रकृति से नाता टूटना</li> <li>● प्रकृति में आ रहे परिवर्तनों को न देख पाना, न अनुभव करना</li> <li>● चिंता का कारण – वसंत जैसी</li> </ul>	3





प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
9.	9.	8.	9.	<p>मादक ऋतु का भी दफ्तर की छुट्टी तथा कलेण्डर से पता चलना</p> <p>किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य—</p> <p>भाव सौंदर्य — 1 शिल्प सौंदर्य — 2</p> <p>भाव सौंदर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● राम के प्रति अनन्य प्रेम के कारण भरत का पुलकित होकर सभा में खड़े हो जाना</li> <li>● उनके कमल नेत्रों में प्रेमाश्रुओं की बाढ़ आना</li> </ul> <p>शिल्प सौंदर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● नीरज नयन नेह जल — रूपक, उपमा एवं अनुप्रास अलंकार</li> <li>● भाषा — अवधी</li> <li>● छंद — चौपाई</li> <li>● रस — शांत</li> <li>● छंदबद्ध काव्य पंक्तियाँ</li> <li>● भरत का भ्रातृस्नेह</li> </ul> <p>मामा—मामी.....व्यस्त;</p>	3+3=6
	क	क	क		
	ख	ख	ख		



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<p>भाव सौन्दर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• विवाहोपरान्त सरोज का अपनी नानी की स्नेहमयी गोद में शरण लेना</li> <li>• वहाँ मामा—मामी के भरपूर स्नेह की वर्षा</li> </ul> <p>शिल्प सौन्दर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• उपमा, दृष्टांत अलंकार</li> <li>• मामा—मामी, सदा समस्त — अनुप्रास अलंकार</li> <li>• संस्कृतनिष्ठ शब्दावली</li> <li>• छंदमुक्त कविता</li> <li>• भाषा सरल एवं सुबोध</li> </ul> <p>चढ़कर.....लगाई ।</p> <p>भाव सौन्दर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रलय अर्थात् दुख स्वयं देवसेना के जीवन रथ पर सवार</li> <li>• अपनी दुर्बलताओं और हारने की निश्चितता के बावजूद देवसेना का प्रलय से लोहा लेना</li> </ul> <p>शिल्प सौन्दर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• देवसेना की मनःस्थिति का यथार्थ वर्णन</li> </ul>	
	ग	ग	ग		



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
10.				<ul style="list-style-type: none"> <li>● जीवन रथ – रूपक अलंकार</li> <li>● हारी होड़ – अनुप्रास अलंकार</li> <li>● निराशा और वेदना का मार्मिक चित्रण</li> <li>● भाषा में प्रतीकात्मकता, चित्रात्मकता एवं संगीतात्मकता</li> </ul> <p>गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या –</p> <p>संदर्भ (लेखक व पाठ का नामोल्लेख) – 1</p> <p>पूर्वापर प्रसंग – 1</p> <p>व्याख्या बिंदु – 3</p> <p>गद्यांश की शिल्पगत विशेषताएँ – 1</p> <p>संवदिया.....सुना देगा।</p> <p>पाठ – 'संवदिया'</p> <p>लेखक – फणीश्वरनाथ 'रेणु'</p> <p>प्रसंग – हरगोबिन का बड़ी बहुरिया के मायके संदेश न सुना सकने पर आत्मग्लानि भरा चिंतन</p> <p>व्याख्या बिंदु–</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● संवदिया के खाने, सोने में मनमानी</li> <li>● बहुरिया के मायके संदेश न दे पाने के कारण नींद न आना</li> <li>● आत्म मंथन के उपरान्त संदेश सुना देने का निर्णय लेना</li> </ul>	6
	10.				



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
—	10.	—	—	<p>विशेष—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● खड़ी बोली</li> <li>● वर्णनात्मक शैली</li> <li>● 'डटकर खाना', 'अफर कर सोना' — भाषा का विशेष प्रयोग</li> <li>● आत्मचिंतन</li> </ul> <p>आदमी.....क्या कहेंगे?</p> <p>पाठ — 'संवदिया' लेखक — फणीश्वर नाथ 'रेणु' प्रसंग — लेखक का संवदिया के गुण-दोष का वर्णन</p> <p>व्याख्या बिंदु—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● संवदिया के गुण — ईश्वर प्रदत्त</li> <li>● संवदिया का कार्य — बिना मज़दूरी लिए संदेश के शब्द, सुर, स्वर, लय, भाव को भी यथा संवाद कहना</li> <li>● गाँव के लोगों की संवदिया के प्रति आम धारणा — निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी</li> </ul> <p>विशेष—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● खड़ी बोली</li> <li>● वर्णनात्मक शैली</li> <li>● लोकोक्ति — 'न आगे नाथ न पीछे पगहा' का प्रयोग</li> </ul>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
—	—	—	10.	<ul style="list-style-type: none"> <li>विशेषण शब्दों का प्रयोग</li> <li>ग्रामीण धारणा की पुष्टि</li> </ul> <p>ये द्रष्टा.....दृढ़ता देता है।</p> <p>पाठ – 'यथास्मै रोचते विश्वम्' लेखक – रामविलास शर्मा प्रसंग – लेखक का साहित्यकार को कर्तव्यों के प्रति सचेत करना।</p> <p>व्याख्या बिंदु—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>पराधीनता और पराभव का पाठ पढ़ाने वाले साहित्यकारों को लेखक ने भविष्य की अपेक्षा अतीत की ओर देखने वाले द्रष्टा माना है।</li> <li>सच्चे साहित्य स्रष्टा – अहंवादी विकृतियाँ छोड़ समाज को देश प्रेम दृढ़ता और आत्मविश्वासी बनाता है।</li> <li>साहित्यकार का कार्य – समाज के क्रोध, असंतोष को प्रकट करने के साथ-साथ उन्हें आत्म विश्वास व दृढ़ता देना</li> </ul> <p>विशेष—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>खड़ी बोली</li> <li>संस्कृतनिष्ठ भाषा</li> <li>लेखक के चिंतन प्रधान विचार</li> <li>साहित्यकार के मूल्यों का निर्धारण</li> </ul>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
11.	11. क	12. क	11. क	<p>किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित –</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लेखक द्वारा हिन्दी-उर्दू दोनों भाषाओं का प्रयोग</li> <li>गद्य की खड़ी बोली में सभी लेखकों ने हिन्दी-उर्दू दोनों का समान रूप से प्रयोग किया था</li> <li>हिन्दी-उर्दू दोनों भाषाएँ अलग-अलग मान्य</li> <li>हिन्दुस्तानी भाषा की ये दोनों शैलियाँ हो सकती हैं।</li> </ul> <p>(विद्यार्थियों के उपयुक्त विचार भी स्वीकार्य)</p>	4+4=8
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>लेखक ने प्रयाग संग्रहालय के लिए पसोवा, कौशांबी, मद्रास (चेन्नई) तथा प्रयाग के आस-पास कई स्थानों में घूम-घूमकर मूर्तियाँ, सिक्के, मनके, मोहरे, मृण्मूर्तियाँ, हस्तलिखित पुस्तकें आदि एकत्रित किए।</li> <li>व्यास जी की सबसे बड़ी देन इलाहाबाद का विशाल और प्रसिद्ध संग्रहालय</li> <li>पुरातन संबंधी संग्रहालय की विभिन्न धरोहर-सामग्री का संकल्प बगैर विशेष व्यय के कर पाना व्यास जी</li> </ul>	4



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
12.	ग	ग	ग	<p>का अपना विशिष्ट कौशल है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• 'शेर' व्यवस्था का प्रतीक।</li> <li>• व्यवस्था तभी तक खामोश जब तक उसकी आज्ञाओं, इच्छाओं का पालन होता रहे</li> </ul> <p>संदेश—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• विरोध होने पर व्यवस्था का शेर की तरह मुँह फाड़ लेना तथा आक्रमक होना निश्चित</li> <li>• अन्यायी सत्ता को उखाड़ फेंकने का प्रयास करते हुए अपना रास्ता स्वयं बनाना</li> </ul> <p><u>जीवन परिचय</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• संक्षिप्त जीवन परिचय 2</li> <li>• रचनाएँ 1</li> <li>• काव्यगत विशेषताएँ/भाषागत विशेषताएँ सोदाहरण 3</li> </ul> <p><u>निर्मल वर्मा</u></p> <p>जन्म एवं जीवन परिचय –</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• शिमला में जन्म।</li> <li>• दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में एम.ए. किया और फिर अध्यापन</li> </ul>	4 6
	12.	12.	12.		



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<p>कार्य</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>चेकोस्लोवाकिया के प्राच्य-विद्या संस्थान प्राग के आमंत्रण पर वहाँ गए।</li> </ul> <p>रचनाएँ – 'जलती झाड़ी', 'परिंदे', 'वे दिन', 'शब्द और स्मृति', 'ढलान से उतरते हुए' आदि।</p> <p>साहित्यिक विशेषताएँ—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>भाषा-शैली में एक अनोखी कसावट</li> <li>विचार-सूत्र की गहनता को विविध उद्धरणों से रोचक बनाना</li> <li>शब्द चयन में जटिलता न होते हुए भी उनकी वाक्य-रचना में मिश्र और संयुक्त वाक्यों की प्रधानता</li> <li>उर्दू और अंग्रेजी शब्दों का स्वाभाविक प्रयोग</li> <li>भाषा-शैली में अनेक नवीन प्रयोग</li> </ul> <p><u>हजारी प्रसाद द्विवेदी</u></p> <p>जन्म एवं जीवन परिचय –</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>आरत दूबे के छपरा गाँव, जिला बलिया, उत्तर प्रदेश में जन्म।</li> <li>काशी से शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण, काशी हिंदू विश्वविद्यालय से</li> </ul>	





प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<p>ज्योतिषाचार्य की उपाधि प्राप्त की।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• 1950 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष बने।</li> <li>• 1952–53 में काशी नागरी प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष</li> <li>• 1955 में प्रथम राजभाषा आयोग के सदस्य राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त</li> <li>• उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार, लखनऊ विश्वविद्यालय से डी.लिट् की उपाधि तथा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित</li> <li>• संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, बाँग्ला आदि तथा अनेक विषयों – इतिहास, दर्शन, संस्कृति, धर्म आदि का भी विशेष ज्ञान</li> </ul> <p>रचनाएँ – 'अशोक के फूल', 'विचार और वितर्क', 'कल्पलता', 'कुटज', 'आलोक पर्व', 'बाणभट्ट की आत्मकथा', 'अनामदास का पोथा',</p> <p>साहित्यिक विशेषताएँ—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• भाषा सरल और प्रांजल</li> <li>• व्यक्तित्व – व्यंजकता और आत्मपरकता उनकी शैली की विशेषता</li> </ul>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	अथवा	अथवा	अथवा	<ul style="list-style-type: none"> <li>व्यंग्य शैली के प्रयोग से उनके निबंधों पर पांडित्य का बोझ नहीं</li> <li>हिन्दी की गद्य शैली को एक नया रूप</li> </ul> <p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <p><u>मलिक मुहम्मद जायसी</u></p> <p>जन्म एवं जीवन परिचय—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>अमेठी उत्तर प्रदेश के निकट जायस गाँव में जन्म</li> <li>जायस में जन्म होने के कारण जायसी</li> <li>पिता की मृत्यु के कारण पालन-पोषण ननिहाल में</li> <li>सैय्यद अशरफ और शेख बुरहान से शिक्षा प्राप्त की</li> <li>सूफी संत परंपरा में</li> </ul> <p>रचनाएँ—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>पद्मावत</li> <li>अखरावट</li> <li>आखिरी कलाम आदि</li> </ul> <p>साहित्यिक विशेषताएँ—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>मसनवी शैली</li> </ul>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<ul style="list-style-type: none"> <li>● ठेठ अवधी भाषा से उत्कृष्ट साहित्य की रचना</li> <li>● सूफी प्रेममार्गी कवि</li> <li>● प्रेम का लोकधर्मी रूप</li> <li>● दोहा-चौपाई छंद का प्रयोग</li> <li>● प्रौढ़ और गंभीर काव्य-शैली</li> <li>● मुहावरे, लोकोक्तियाँ तथा अलंकारों का प्रयोग</li> </ul> <p><u>केदार नाथ सिंह</u></p> <p>जन्म एवं जीवन परिचय –</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● जन्म बलिया जिले के चेकिया गाँव में</li> <li>● काशी हिंदू विश्वविद्यालय से हिन्दी में एम.ए. तथा पी.एच.डी. की उपाधि</li> <li>● गोरखपुर में हिन्दी के प्राध्यापक फिर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हिन्दी के प्रोफेसर</li> <li>● आजकल दिल्ली में स्वतंत्र लेखन</li> </ul> <p>रचनाएँ— 'अकाल में सारस', 'अभी बिलकुल अभी', 'जमीन पक रही है', 'यहाँ से देखो', आलोचनात्मक पुस्तक – 'कल्पना और छायावाद', निबंध संग्रह—'मेरे समय के शब्द'</p> <p>साहित्यिक विशेषताएँ—</p>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
13.	13.	13.	13.	<ul style="list-style-type: none"> <li>● कविताओं में बिंब-विधान</li> <li>● मानवीय संवेदनाएँ और विचार बोध</li> <li>● शिल्प में बातचीत की सहजता और अपनापन</li> </ul>	
				<p>सूरदास के जीवन से प्राप्त जीवन-मूल्य-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● हार न मानने की प्रवृत्ति</li> <li>● सत्य-अहिंसा से भरा व्यक्तित्व</li> <li>● प्रतिकार की भावना से दूर</li> <li>● क्षमाशील, सहिष्णु व आशावादी</li> <li>● पुनर्निर्माण एवं जिजीविषा की भावना</li> <li>● संघर्षशील, आत्मविश्वासी</li> <li>● निर्णय लेने की पूर्ण क्षमता</li> </ul> <p>आज के संदर्भ में इन सभी नैतिक मूल्यों की आवश्यकता, मानवता का विकास संभव</p> <p>(जीवन-मूल्यों की प्रासंगिकता स्पष्ट करने के संदर्भ में विद्यार्थियों के स्वतंत्र विचार भी मान्य)</p>	5
14.	14. क	14. क	14. क	<p>दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● लेखक ने 'अपना मालवा' के माध्यम से मौसम, ऋतुएँ, नदियाँ, जन जीवन तथा संस्कृति आदि के मुद्दों को</li> </ul>	5+5=10



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	ख	ख	ख	<p>उठाया है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● अतिवृष्टि, नदियों में बाढ़, यातायात के साधन ठप</li> <li>● मालवा में पहले जैसा पानी अब नहीं गिरता</li> <li>● पर्यावरण असंतुलित, औद्योगिक विकास के कारण नदियों का गंदे नालों में बदलना</li> <li>● खाऊ-उजाड़ सभ्यता यूरोप तथा अमेरिका की देन</li> </ul> <p>समाधान—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● पर्यावरण के प्रति लोगों को सचेत करना</li> <li>● जीवन पद्धति में 'सादा जीवन उच्च विचार' की भावना लाना</li> <li>● प्रकृति की रक्षा और उससे तादात्म्य</li> </ul> <p>प्रमुख पात्र – भूप दादा</p> <p>जीवन संघर्ष—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● भाई के शहर की ओर पलायन से भूप दादा का अकेले पड़ जाना</li> <li>● भू-स्खलन से घर, खेती का सर्वनाश, माता-पिता की मृत्यु</li> <li>● भू-स्खलन से फैले मलबे को हटाना</li> </ul>	5



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<ul style="list-style-type: none"> <li>● पहाड़ों की विषम परिस्थितियाँ सहकर भी अपनी जन्मभूमि न छोड़ना, उससे प्यार</li> <li>● घर तथा खेतों को ढलवां बनाना, झरने को मोड़कर खेतों तक लाना</li> <li>● पत्नी की आत्महत्या और नाबालिग बेटे का घर छोड़ जाने के दर्द से भी संघर्ष का बढ़ना</li> <li>● रोटी, कपड़ा, मकान तीनों की अभाव-ग्रस्त स्थिति के उपरान्त भी कठोर परिश्रम</li> </ul>	

